SOCIAL STUDIES

Class 10th

(POLITICAL SCIENCE)

Chapter 4: जाति धर्म और लैंगिक मसले

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

संक्षेप में लिखें

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्रश्न 1. जीवन के उन विभिन्न पहलूओं का जिक्र करें जिनमें भारत में स्त्रियों के साथ भेदभाव होता है या वे कमज़ोर स्थिति में होती हैं।

उत्तर:- हमारे देश में आजादी के बाद भी स्त्रियों के साथ भेदभाव होता है। महिलाओं के साथ भेदभाव के कुछ पहलू निम्नलिखित हैं-

1. महिलाओं में साक्षरता की दर अब भी मात्र 54 फीसदी है जबकि पुरुषों में 76 फीसदी। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली लड़कियों की संख्या बहुत कम है। अभी भी माँ-बाप लड़कों की शिक्षा पर ज्यादा खर्च करना पसंद करते हैं।
2. महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले कम तनख्वाह मिलती है। ऊँचे पदों पर पहुँचने वाली महिलाओं की संख्या बहुत ही कम है।
3. हर क्षेत्र में यानी खेल - कूद से लेकर सिनेमा तक और कल-कारखानों से लेकर खेत-खलिहानों तक महिलाओं को पुरुषों की तुलना में कम मजदूरी मिलती है।
4. भारत के अनेक हिस्सों में अभी भी लड़की को जन्म लेते ही मार दिया जाता है। जिसके कारण लिंगानुपात गिरकर 919 प्रति हजार रह गया है।
5. भारत में राजनीति में महिलाओं की भूमिका न के बराबर है। अभी भी महिलाओं को घर की चहारदीवारी के भीतर रखा जाता है।
6. महिलाओं के साथ दहेज उत्पीड़न, शोषण और घरेलू हिंसा आदि घटनाएं लगातार हो रही है। इससे वे अपने आप को असुरक्षित महसूस करती है।

प्रश्न 2. विभिन्न तरह की सांप्रदायिक राजनीति का ब्यौरा दें और सबके साथ एक-एक उदाहरण भी दें।

उत्तर:- सांप्रदायिकता राजनीति में अनेक रूप धारण कर सकती है

1. सांप्रदायिकता का पहला उदाहरण रोजमर्रा के जीवन में ही दिख जाता है। इसमें लोग अपने धर्म को दूसरे धर्म से श्रेष्ठ मानने लग जाते हैं।
2. सांप्रदायिक सोच वाले लोग अपने समुदाय का राजनीतिक प्रभुत्व स्थापित करने की फिराक में रहते हैं। चाहते हैं। इसके लिए वे अपने अपने धर्म के आधार पर राजनीतिक पार्टियों का गठन करते हैं।
3. धर्म के आधार पर राजनीतिक दल गोलबंदी शुरू कर देते हैं। ये राजनीतिक दल धार्मिक मुद्दों को बढ़ावा देने लगते हैं। विभिन्न धार्मिक समुदायों में तनाव की स्थिति उत्पन्न होती है।
4. सांप्रदायिकता सबसे गंदा रूप संप्रदाय के आधार पर हिंसा, दंगा और नरसंहार होने लगते है। विभाजन के समय बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक हिंसा हुई है। 1984 के हिंदू-सिक्ख दंगे गुजरात दंगे इसका प्रमुख उदाहरण हैं।

प्रश्न 3. बताइए कि भारत में किस तरह अभी भी जातिगत असमानताएँ जारी हैं?

उत्तर: आधुनिक भारत में जाति की संरचना और जाति व्यवस्था में भारी बदलाव आया है। किंतु फिर भी समकालीन भारत से जाति प्रथा विदा नहीं हुई है। जातिगत असमानता के कुछ पुराने पहलू अभी भी बरकरार हैं

1. आज भी ज्यादातर लोग दूसरी जाति में विवाह शादी नहीं करते हैं।
2. कानूनी रोक के बावजूद छुआछूत की प्रथा अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है।
3. ऊँची जाति के लोगों की आर्थिक स्थिति सबसे अच्छी है जबकि दलित तथा आदिवासियों की आर्थिक स्थिति सबसे खराब है।
4. शिक्षा पर पकड़ ऊंची जाति के लोगों की है।

5. राजनीति में भी ऊंची जाति का दबदबा है।

प्रश्न 4. दो कारण बताएँ कि क्यों सिर्फ जाति के आधार पर भारत में चुनावी नतीजे तय नहीं हो सकते?
उत्तर: भारत में केवल जाति के आधार पर ही चुनावी नतीजे तय नहीं हो सकते जिसके निम्नलिखित कारण है:

1. देश के किसी भी एक संसदीय चुनाव क्षेत्र में किसी एक जाति के लोगों का बहुमत नहीं है। इसलिए हर पार्टी और उम्मीदवार को चुनाव जीतने के लिए एक जाति और समुदाय से ज्यादा लोगों का भरोसा हासिल करना होता है।
2. लोग उम्मीदवार की बजाय पार्टी की विचारधारा को देखकर वोट देते है।
3. सरकार के काम-काज के बारे में लोगों की राय और नेताओं की लोकप्रियता का चुनावों पर निर्णायक असर होता है।

प्रश्न 5. भारत की विधायिकाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की स्थिति क्या है?
उत्तर भारत की विधायिकाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत ही कम है। जैसे लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या कुल सांसदों की पंद्रह प्रतिशत भी नहीं है। राज्यों की विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व 5 प्रतिशत से भी कम है। इस मामले में भारत दुनिया के बाकी देशों से बहुत पीछे है। भारत, अफ्रीका और लैटिन अमरिका के कई देशों से पीछे है। कभी- -कभार कोई महिला प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री बन जाती है। अन्यथा केंद्र और राज्य के ज्यादातर मंत्रिमंडलों में पुरुषों का ही वर्चस्व रहा है।

प्रश्न 6. किन्हीं दो प्रावधानों का जिक्र करें जो भारत को धर्मनिरपेक्ष देश बनाते हैं।
उत्तर: भारत को धर्मनिरपेक्ष देश बनाने वाले महत्त्वपूर्ण प्रावधान निम्नलिखित हैं:

1. भारत के कानून में किसी भी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में अंगीकार नहीं किया है। जबकि श्रीलंका में बौद्ध धर्म, पाकिस्तान में इस्लाम और इंग्लैंड में ईसाई धर्म को विशेष दर्जा दिया गया है।
2. संविधान सभी नागरिकों को किसी भी धर्म का पालन करने और प्रचार करने की आजादी देता है।
3. संविधान धर्म के आधार पर किए जाने वाले किसी तरह के भेदभाव को असंवैधानिक घोषित करता है।

प्रश्न 7. जब हम लैंगिक विभाजन की बात करते हैं तो हमारा अभिप्राय होता है।
(क) स्त्री और पुरुष के बीच जैविक अंतर ।
(ख) समाज द्वारा स्त्री और पुरुष को दी गई असमान भूमिकाएँ।
(ग) बालक और बालिकाओं की संख्या का अनुपात।
(घ) लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में महिलाओं को मतदान का अधिकार न मिलना।
उत्तर (ख) समाज द्वारा स्त्री और पुरुष को दी गई असमान भूमिकाएँ।

प्रश्न 8. भारत में यहाँ औरतों के लिए आरक्षण की व्यवस्था है।
(क) लोकसभा। (ख) विधानसभा
(ग) मंत्रिमंडल। (घ) पंचायती राज की संस्थाएँ।
उत्तर (घ) पंचायती राज की संस्थाएँ।

प्रश्न 9. सांप्रदायिक राजनीति के अर्थ संबंधी निम्नलिखित कथनों पर गौर करें। सांप्रदायिक राजनीति इस धारणा पर आधारित है कि:
(अ) एक धर्म दूसरों से श्रेष्ठ है।
(ब) विभिन्न धर्मों के लोग समान नागरिक के रूप में खुशी-खुशी साथ रह सकते हैं।
(स) एक धर्म के अनुयायी एक समुदाय बनाते हैं।
(द) एक धार्मिक समूह का प्रभुत्व बाकी सभी धर्मों पर कायम करने में शासन की शक्ति का प्रयोग नहीं किया जा सकता।

इनमें से कौन या कौन-कौन सा कथन सही है?
(क) अ, ब, स और द
(ख) अ, ब, और द
(ग) अ और स
(घ) ब और द
उत्तर (ग) अ और स सही है।

प्रश्न 10. भारतीय संविधान के बारे में कौन सा कथन गलत है?
(क) यह धर्म के आधार पर भेदभाव की मनाही करता है।
(ख) यह एक धर्म को राजकीय धर्म बताता है।
(ग) सभी लोगों को कोई भी धर्म मानने की आजादी देता है।
(घ) किसी धार्मिक समुदाय में सभी नागरिकों को बराबरी का अधिकार देता है।
उत्तर (ख) यह एक धर्म को राजकीय धर्म बताता है।

प्रश्न 11. _____पर आधारित सामाजिक विभाजन सिर्फ भारत में ही है।
उत्तर:- जाति पर आधारित सामाजिक विभाजन सिर्फ भारत में ही है।

प्रश्न 12. सूची । और सूची ॥ का मेल कराएँ और नीचे दिए गए कोड के आधार पर सही जवाब खोजें।

सूची ।	सूची ॥
1. अधिकारों और अवसरों के मामले में स्त्री और पुरुष की बराबरी मानने वाला व्यक्ति 2. धर्म को समुदाय का मुख्य आधार मानने वाला व्यक्ति 3. जाति को समुदाय का मुख्य आधार मानने वाला व्यक्ति 4. व्यक्तियों के बीच धार्मिक आस्था के आधार पर भेदभाव न करने वाला व्यक्ति	(क) सांप्रदायिक (ख) नारीवादी (ग) धर्मनिरपेक्ष (घ) जातिवादी

MUKUTclasses

	1	2	3	4
सा	ख	ग	क	घ
रे	ख	क	घ	ग
गा	घ	ग	क	ख
मा	ग	क	ख	घ

उत्तर (रे) 1-ख, 2- क, 3-घ, 4- ग